आतंकी संगठन आईएसआईएस (ISIS) का इतिहास हिंदी में PDF

जब कोई व्यक्ति या संगठन अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए, अपने विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए, हिसा का सहारा लेता है तथा भय या आतंक का वातावरण पैदा करता है तो उसे आंतकवाद की श्रेणी में रखा जाता है आतंकवाद तीन तरह के होते है पहला घरेलू आतंकवाद, दूसरा सीमापार आतंकवाद और तीसरा अंतराष्ट्रीय आतंकवाद, इस लेख में अंतराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों को जानेगे|

आईएसआईएस (ISIS):-

सबसे पहले आईएसआईएस एक संगठन था जिसका नाम स्लामिक स्टेट ऑफ़ इराक इन सीरिया था इसकी शुरुआत 2001 में, ईराक और अमेरिका युद्ध के दौरान हुयी थी |

1- अप्रैल 2013 में निर्मित एक जिहादी सुन्नी समूह का आतंकवादी संगठन है |
2- मुखिया अबू-बक्र-अल बगदादी, जिसने जून-2014 में अबू-बक्र-अल बगदादी नाम परिवर्तन , बगदादी ने स्वयं खलीफा घोषित किया |
3- यह संगठन दुनियां का सबसे अमीर आतंकी संगठन है जिसका बाजार लगभग 2 अरब डॉलर का है |
4- ऐसा माना जाता है कि अलकायदा से भी मजबूत और क्रूर संगठन है |

उद्देश्य :-

1- विश्व के अधिकांश मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों को अपने सीधे राजनीतिक नियंत्रण में लेना |
2- इस्लामी शासन व्यवस्था, इस्लामी कानून को लागू कराना|
3- इसके सदस्यों की संख्या करीब 10,000 हैं |

JOURNALISMOLOGY

आय के श्रोत :-

ऐसा माना जाता है कि ईरक् और सीरिया में इसके 8 बड़े बिजली बनाने के नियंत्रण इसके पास है तथा बहुत से विदेशी मुस्लिमों के अपहरण में इसका हाथ भी माना गया था |

1- उर्जा संयंत्र जिनसे बिजली और गैस बेचकर कमाई करना |
2- विदेशी नागरिकों और मुस्लिमों का अपहरण करना तथा उनसे फिरौती मांगना |
3- कच्चा तेल के निर्यात करना |
4- विदेशी सहायता / विदेशी फंडिंग

इस संगठन के दारा किये गये मानव अधिकारों के दुरूपयोग और युद्धापराध:-

1- धार्मिक और अल्पसंख्यक समूह का उत्पीड़न
2- यौन हिंसा और गुलामी
3- बाल सैनिकों का प्रयोग
4- सिर काटना और सामूहिक फांसी
5- रासायनिक हथियारों का स्तेमाल
6- सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का विनाश

आईएसआईएस (ISIS) आतंकी संगठन के सदस्यों की सख्या कितनी है?

इसके सदस्यों की संख्या करीब 10,000 हैं वर्तमान में यह कुछ कम भी ज्यादा देखी जा सकती है |

आईएसआईएस (ISIS) आतंकी संगठन का उद्देश्य क्या है?

इसका उद्देश्य दुनियां के अधिकांश मुस्लिम आबादी वाले देशों को अपने सीधे राजनीतिक नियंत्रण में लेना तथा इस्लामी शासन व्यवस्था और इस्लामी कानून को लागू कराना|

JOURNALISMOLOGY